फरीदाबाद

मजदूर समाचार

राहें तलाशने-बनाने के लिए मजदूरों के अनुभवों व विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें—
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.com >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी,
आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी.
फरीदाबाद — 121001

नई सीरीज नम्बर 279 1/— सितम्बर 2011

मारुति सुजुकी के मजदूरों के साथ

जिन्दा होने के मजे

सभी जानते होंगे कि जून में 13 दिन मारुति सुजुकी की मानेसर फैक्ट्री में युवा ऊर्जा ने ऐसी उज्जवलता पैदा की कि उसकी आभा चौतरफा नई कल्पनाओं को जन्म दे रही है। उत्सव का समय है, उत्सव मनाते हैं।

यहाँ हम मानेसर के मारुति सुजुकी के युवा साथियों का अभिनन्दन करते हुये कहना चाहते हैं कि 4 जून से 16 जून के दौरान का समय यकीनन आपके जीवन के शानदार पलों में शामिल रहेगा।

जश्न है
जिन्दा रहने के सुरूर का

हर समय हम अपने चारों तरफ लाइफ फोर्स की हिलौरें महसूस करते हैं। यह जीवन शक्ति सहमति-समझौते की नावों को उलटती-पलटती रहती है। जीवनऔर सिस्टम में टकराव हरेक को साफ-साफ दिखता है। यह कहना बनता है कि शिशुओं को तो खासकरके यह टकराव अच्छी तरह समझ आता है।

कुछ ऐसे अवसर आते हैं जब जीवन शानदार उड़ान के लिये पँख खोलता-फैलाता है। उस समय हर कोई अपने-अपने ढँग से अपने में उड़ान का वेग जीता है। वे कौन-से पल हैं जिनमें आपने अपने अन्दर उड़ान की इस पावर को पाया है ?

मारुति सुजुकी मैनेजमेन्ट और सरकार जून की उड़ान से डर गई। विश्वसनीय सूत्रों से हमें सूचना मिली है कि कम्पनी और सरकार बुरी तरह घबराई हुई हैं और वे बेहद चिन्तित हैं — एक वर्ष में 4290+820+24+2288 करोड़ रुपये की जून के यह तेरह दिन तेरहवीं न कर दें। मुख्यमन्त्री टोकयो गया है। सूत्रों ने यह भी बताया कि तेरहवीं का डर मानसिक असन्तुलन को बढा रहा है..... एक परिणति है 29 अगस्त को जारी गुड कन्डक्ट बॉड। दबी जुबान में सूत्रों ने यह भी बताया कि मानसिक असन्तुलन के असर में फैक्ट्री के अन्दर अनाप-शनाप व्यवहार और अन्ट-शन्ट बोल बढ रहे हैं। इसलिये सलाह अनुसार फैक्ट्री के अन्दर टेप बजाई जा रही है और मीलों लम्बी कनात में स्वयं को लपेट लिया है।

गौरतलब है कि अलियर, बास, मानेसर, खोह गाँवों में मुण्डन और विवाह के लिये टैण्ट हाउसों पर कनांत ही नहीं मिल रही। हो सकता है कि यह कनात की राजनीति ही गाँववालों को अचानक उकसा रही है।

सत्ता ने खींची
अपनी तस्वीर

कहानी कहें चाहे हकीकत, पर बात सच है। सब्जी की रेहड़ीवाले को पुलिसवाले ने थप्पड़ मारा। अपमान ने बहुत भावुक कर दिया, खुद को आग लगा ली। भीड़ जमा हो गई। अस्पताल ले गये। सम्पूर्ण शरीर को पट्टियों से ढकना पड़ा। जीवन की लौ भीड़ में फैली। घबरा गया राष्ट्रपति अस्पताल पहुँचा। सहानुभूति की छवि के लिये पट्टियों से ढके सब्जीवाले के साथ फोटो खिंचवाई। टी वी पर दिखाई, अखबारों में छपवाई। हुआ क्या? चार दिन में राष्ट्रपति भाग गया।

तलाक क्रिया और प्रतिक्रिया में

एक महान सूत्र : क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। सत्ता के लिये यह सूत्र बहुत महत्वपूर्ण है। अपनी क्रियाओं की प्रतिक्रियाओं से ही सत्ता अपने को देख पाती है, अपने को पहचान पाती है। यह क्रिया का प्रतिक्रिया से विच्छेद होता है कि नंगे से, पागल से राजा डरता है।

क्रिया की सम्भावित प्रतिक्रिया सत्ता की योजनाओं का आधार होती है। सम्भावित प्रतिक्रिया नहीं हो तो सत्ता हड़बड़ा जाती है, गड़बड़ा जाती है। क्रिया और प्रतिक्रिया के जोड़ का टूटना सत्ता की जो अपनी छवि है उसको ही अस्थिर कर देता है — वो विकृत हो जाती है, धुँधला जाती है, अस्पष्ट हो जाती है, उसमें तरेड़ें पड़ जाती हैं। सत्ता का अपना दर्पण उसके सर्वशक्तिशाली होने की आत्म-छवि को प्रतिबिम्बित करना छोड़ देता है। हाल ही में रामलीला मैदान में देखने में आया है कि क्रिया और प्रतिक्रिया के बीच तलाक हो गया है।

क्रिया और प्रतिक्रिया के बीच इस सम्बन्ध विच्छेद ने मारुति सुजुकी मैनेजमेन्ट और सरकार को गहरी चिन्ता में डाल दिया है। योजना का क्या होगा ? रंग-ढँग से तो लगता है कि युवा ऊर्जा मस्ती में आ गई है। भड़केंगे नहीं। पता नहीं क्या करेंगे.....

कहते हैं कि यह आडू है, अड़ियल है। यह व्यवहारिक नहीं हैं। यह अव्यवहारिक हैं। सुनते बहुतों की हैं पर करते अपने मन की हैं। इन से कैसे निपटें यह तो मैनेजमेन्ट की पढाई में था ही नहीं। डर दिखाओ, लालच दो की पढाई यहाँ पर फेल हो गई लगती है। कनातों से घिरी मैनेजमेन्ट असहाय.....

पता नहीं क्या करेंगे

हँस-बोल रहे हैं। गपशप कर रहे हैं। मस्ती में नारे लगाते हैं। कई तरह के पर्चे-अखबार पढ रहे हैं, भिन्न-भिन्न लोगों से मिल रहे हैं। चेहरों पर चिन्ता नाम की चीज ही नहीं है। प्रदर्शन भी ऐसे निकाल रहे हैं जैसे मेले में हों। देखा-देखी इन्डस्ट्रीयल मॉडल टाउन के लोग इस रंग में रंग गये तो? यूँभी, मारुति सुजुकी गेट तरह-तरह के छात्र-छात्राओं के लिये जीवन बन रहा है, जीवन का आकर्षण बन रहा है।

कौन-सा समय है यह ?

मिनट और घण्टा समय के माप नहीं रहे। सजा से समय ने पिण्ड छुड़ा लिया है। खुले में खुल कर साँस ले रही युवा ऊर्जा ड्युटी टाइम और रैस्ट टाइम में समय के विभाजन से परे चली गई है। समय के बारे में सोचने के लिये बहुत समय का होना जीवन की, समय की, सम्बन्धों की, समाज की, दुनियाँ की कई गुत्थियों को सुलझा सकता है। इसलिये यह उत्सव का, जश्न का समय है।

यह जश्न है थकना चुनने की आजादी का। थकाती थी हमें असेम्बली लाइन। अब मारुति गेट पर ठाठ से हम चुन रहे हैं कि जीवन के कौन से उल्लासों से हम ने थकना है — गा कर, पढ कर, सोच कर, बहस कर, नाच कर..........■

फरीदाबाद में मजदूर

श्रम आयुक्त हरियाणा के 5.9.2011 के पत्र अनुसार 1 जुलाई 2011 से **हरियाणा सरकार** द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन इस प्रकार हैं : *अकुशल मजदूर (हैल्पर) 4644 रुपये (8 घण्टे के 179 रुपये); अर्ध- कुशल अ 4774 रुपये (8 घण्टे के 184 रुपये) ; अर्ध- कुशल ब 4904 रुपये (8 घण्टे के 189 रुपये); कुशल श्रमिक अ 5034 रुपये (8 घण्टे के 194 रुपये); कुशल श्रमिक ब 5164 रुपये (8 घण्टे के 199 रुपये) ; उच्च कुशल मजदूर 5294 रुपये (8 घण्टे के 204 रुपये)* / दिल्ली और हरियाणा में निर्धारित न्यूनतम वेतनों में फर्क के सन्दर्भ में हरियाणा में मजदूरों द्वारा कदम उठाने बनते हैं। इस सन्दर्भ में 25-50 पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिये एक पता : श्रम आयुक्त, हरियाणा सरकार, 30 बेज बिल्डिंग, सैक्टर-17, चण्डीगढ । हरियाणा सरकार द्वारा देरी से घोषणा के कारण 282 रुपये डी ए के बकाया हो गये हैं।

कन्सोलिडेटेड कॉयन कम्पनी मजदूर : "13/2 मथुरा रोड़ स्थित फैक्ट्री में मध्य-जुलाई में मैनेजमेन्ट और यूनियन के बीच तीन वर्षीय, दीर्घकालीन समझौता हुआ। पिछली बार 10 प्रतिशत वेतन वृद्धि प्रतिवर्ष थी, इस बार 3 प्रतिशत प्रतिवर्ष। यूनियन के कुछ नेताओं ने समझौते पर हस्ताक्षर किये और कुछ ने नहीं किये। यूनियन में दो दल बन गये। एक दल के 20 लोग फैक्ट्री के अन्दर रहे जबकि 27 जुलाई से दूसरे दल के 65 बाहर हैं। कम्पनी ने नई भर्ती की है। श्रम विभाग में तारीखें भुगतते आज 24 अगस्त हो गया है। कहते हैं कि 5 को छोड़ कर अन्दर आ जाओ। फँस गये हैं, फँसा दिये गये हैं।"

मास्टर टूल्स श्रमिक : "प्लॉट 9 बी सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में 12½ घण्टे की एक शिफ्ट है, महिला मजदूरों की 11½ घण्टे की। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 4000 रुपये। लेथ मशीन के निकाल कर रखे हुये रिजैक्ट चक्कें के 14 अगस्त को चोरी हो जाने की चर्चा हुई। साहब ने 2100 रुपये सफाईकर्मी के और 2100 रुपये गार्ड के काट कर उन दोनों को नौकरी से निकाल दिया। जबकि, वह चक्का फैक्ट्री में ही है और महिला मजदूर उसका इस्तेमाल माल पर पंच लगाने में करती हैं।"

ए पी प्रोसेसिंग कामगार : "प्लॉट 103 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। बॉयलर पर 12-14 वर्ष के 10-12 लड़के काम करते हैं। डाइंग विभाग में भी 12-14 वर्ष के 10-12 लड़के काम करते हैं। दोनों शिफ्टों में बच्चे काम करते हैं। अगस्त-आरम्भ में छापा.. ...पूर्व-सूचना थी, उस दिन की पहले ही छुट्टी घोषित कर दी थी। छापे वाले दिन फैक्ट्री में काम बन्द था। हैल्परों को 12 घण्टे रोज पर 26 दिन के 5000 रुपये और ऑपरेटरों के 5200। तनखा देरी से, जुलाई की आज 18 अगस्त तक नहीं दी है। एक सौ मजदूरों में ई.एस.आई. तथा पी.एफ. 2-4 की ही। रसायन युक्त पानी भरा रहता है, पैर खराब हो जाते हैं।"

एस्को डाईकास्टिंग वरकर : "प्लॉट 3 सैक्टर-4 स्थित फैक्ट्री में 10-12 स्थाई मजदूर और ठेकेदार के जरिये रखे 200 से ज्यादा वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में **फिलिप्स** का काम करते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 4000-4200 रुपये। ठेकेदार बदलते रहते हैं – मजदूरों को पी.एफ. के पैसे नहीं मिलते।"

व्हर्लपूल मजदूर : "27-29 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में कैन्टीन में कार्यरत 40 वरकरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। हमें 8 घण्टे की बजाय 12 घण्टे ड्युटी पर हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं। हमें बोनस नहीं देते।"

इंडिया फोर्ज श्रमिक : "प्लॉट 28 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में स्टाफ ही कम्पनी ने स्वयं रखा है। सी एन सी सैक्शन, फोर्जिंग विभाग, पेन्ट शॉप, वैल्डिंग विभाग..... सब जगह ठेकेदारों के जरिये मजदूर रखे हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 4000-4200 रुपये। तनखा देरी से 17 से 20 तारीख के दौरान। सुपरवाइजर कम्पनी के, फोरमैन ठेकेदारों के जो कि गुण्डों का इस्तेमाल भी करते हैं। नौकरी छोड़ने पर 15-20 दिन किये काम के पैसों के लिये बहुत चक्कर कटवाते हैं। पीने के पानी का एक ही नल है, दूसरी मंजिल पर है। मात्र 3 शौचालय हैं मेन गेट पर, हमेशा गन्दे। फैक्ट्री में **मारुति सुजुकी** का काम होता है।"

लखानी कामगार : "प्लॉट 265 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में जुलाई की तनखा के लिये 10 तथा 11 अगस्त को 3-3, 4-4 घण्टे काम रोका। 12 अगस्त को पूरे दिन काम बन्द रखने पर साँय 4½ बजे दिन की शिफ्ट वालों को दो-दो हजार रुपये दिये और रात वालों को पूरी तनखा दी। बाकी तनखा आज 17 अगस्त तक नहीं दी है।

"प्लॉट 122 सैक्टर-24 में 12 अगस्त को मजदूरों को दो-तीन हजार रुपये दिये, कुछ रात वालों को कुछ नहीं दिया। रात शिफ्ट के मजदूरों ने 18 अगस्त को काम बन्द किया तब जुलाई की तनखा दी।

"प्लॉट 131 सैक्टर-24 में मई के ओवर टाइम के पैसे दिये, जुलाई की तनखा आज 17 अगस्त तक नहीं दी है।"

शरद मैटल मजदूर : "सोहना रोड़ सैक्टर-23 मोड़ पर स्थित फैक्ट्री में 300 मजदूरों की 12 घण्टे की एक शिफ्ट है। जुलाई की तनखा आज 20 अगस्त तक नहीं दी है।"

प्रणव विकास श्रमिक : "45-46 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में सी-शिफ्ट में लाइन लीडर और शिफ्ट इंचार्ज बदतमीजी करते हैं. टोकने पर रात 12 बजे फैक्ट्री से निकाल देते हैं। डिप्लोमा वालों को कम्पनी स्टाफ में बताती है और काम हैल्पर वाला करवाती है।"

कोल्ड फोर्ज कामगार : "प्लॉट 181 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 3500-3800 रुपये और ऑपरेटरों की 4200-4500 रुपये। ई.एस.आई. व पी.एफ. 100 मजदूरों में 10-12 की ही। शौचालय में पानी ही नहीं रहता।"

सुमिति वरकर : "प्लॉट 219 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में **महिन्द्रा ट्रैक्टर** के हिस्से-पुर्जे बनते हैं। हैल्पर की तनखा बताते 4200 हैं पर देते 4000 रुपये हैं, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। छोड़ने पर 10-15 दिन किये काम के पैसों के लिये बहुत चक्कर कटवाते हैं।"

फ्युचर फोरजिंग मजदूर : "प्लॉट 196 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। चार-पाँच 15-16 वर्ष आयु के लड़के भी दिन व रात में काम करते हैं। ई.एस.आई. व पी.एफ. 150 मजदूरों में 15 के ही हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। पीने का पानी खराब और गाली देते हैं।"

आई एम टी मानेसर

(पेज चार का शेष)

ओरियन्ट क्राफ्ट कामगार : " प्लॉट 15 सैक्टर-5 स्थित फैक्ट्री में नौकरी मई माह में छोड़ी थी। भविष्य निधि राशि निकालने का फार्म नहीं भर रहे, चक्कर कटवा रहे हैं।"

क्रिउ बी ओ एस (कुरू बॉक्स) प्रोडक्ट्स वरकर : " प्लॉट 37 सैक्टर-4 स्थित फैक्ट्री में जून और जुलाई की तनखायें आज 27 अगस्त तक नहीं दी हैं। तनखा से पी.एफ. राशि काटते हैं पर इस वर्ष जनवरी से वह पैसे भविष्य निधि कार्यालय में जमा नहीं किये हैं। छोड़ने पर फण्ड के पैसे निकालने का फार्म नहीं भरते।"

नेपिनो ऑटो मजदूर : "प्लॉट 7 सैक्टर-3 स्थित फैक्ट्री में ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।"

मजदूर समाचार में साझेदारी के लिये :

★अपने अनुभव व विचार इसमें छपवा कर चर्चाओं को कुछ और बढवाइये। नाम नहीं बताये जाते और अपनी बातें छपवाने के कोई पैसे नहीं लगते। ★ बाँटने के लिये सड़क पर खड़ा होना जरूरी नहीं है। दोस्तों को पढवाने के लिये जितनी प्रतियाँ चाहियें उतनी मजदूर लाइब्रेरी से हर महीने 10 तारीख के बाद ले जाइये। ★ बाँटने वाले फ्री में यह करते हैं। सड़क पर मजदूर समाचार लेते समय इच्छा हो तो बेझिझक पैसे दे सकते हैं। रुपये–पैसे की दिक्कत है।

महीने में एक बार छापते हैं, 9000 प्रतियाँ निशुल्क बाँटने का प्रयास करते हैं। मजदूर समाचार में आपको कोई बात गलत लगे तो हमें अवश्य बतायें, अन्यथा भी चर्चाओं के लिए समय निकालें।

गुड़गाँव में

मदरसन सूमी सिस्टम्स मजदूर : "प्लॉट 21 सैक्टर-18 स्थित फैक्ट्री में सुबह 6 बजे की शिफ्ट के लिये बसें 5½ तक पहुँच जाती हैं। गुड़गाँव में रहते मजदूरों को भी सुबह 4-4½ उठना पड़ता है, दिल्ली से आते कई तो 3-3½ बजे उठते हैं। हारनेस असेम्बली लाइनों के नाम फूलों पर हैं पर काम का भारी दबाव है और सैल ओनर तो कुछ ज्यादा ही डाँटता है। कम्पनी की गुड़गाँव फैक्ट्री में **मारुति सुजुकी** का काम होता है। मारुति सुजुकी मानेसर फैक्ट्री में इन तीन महीनों के दौरान काम ढीला होने-बन्द होने के कारण मदरसन फैक्ट्री में पैकिंग एरिया हारनेस से भर गया है, कैन्टीन में हारनेस भर दिये हैं, मशीनों के बगल वाले आने-जाने के रास्तों में भी हारनेस जमा कर दी हैं।"

आई एस एस फैसिलिटी श्रमिक : "150 उद्योग विहार फेज-1 से **एयरटेल, स्टैन्डर्ड एण्ड चार्टर्ड बैंक, के पी एम जी कॉल सेन्टर, रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैण्ड** आदि को वरकर सप्लाई किये जाते हैं। यहाँ हम में 3100 हाउसकीपिंग वाले, 1400 पैन्ट्री बॉय और 58 मेल बॉय हैं। तनखायें बहुत कम हैं : हाउसकीपिंग वालों की दो वर्ष पहले 3600 रुपये थी और अब 4500 रुपये है; पैन्ट्री बॉय की 4000 थी और अब 4500 रुपये है; मेल बॉय की दो वर्ष पहले तनखा 4500 थी और आज भी 4500 रुपये ही है।"

मार्स इन्टरप्राइज कामगार : "370 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में ठेकेदार वही है, ठेकेदार के जरिये रखे मजदूर वही हैं, बस ठेकेदार का नाम बदल दिया है – एम आर से आर एस कर दिया है। नाम बदले 6 महीने हो गये और 6 महीने से पी.एफ. राशि निकालने का फार्म नहीं भर रहे। यहाँ **चिकोस, एवन्यू, बैल्स** के कपड़े सिलते हैं।"

घेली इन्टरनेशनल वरकर : "787 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 8½ की शिफ्ट है और रात 2 बजे तक रोक लेते हैं। महीने में 100-140 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 3400 रुपये और कारीगरों की 4200-4800 रुपये। साहब गाली देते हैं।"

प्रिमियम मोल्डिंग एण्ड प्रेसिंग मजदूर : "185 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 200 कैज़ुअल वरकरों की तनखा 3500 रुपये। महीने में 150-200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान मात्र-मात्र 6 रुपये प्रतिघण्टा अनुसार। फैक्ट्री में **मारुति सुजुकी, महिन्द्रा, टाटा मोटर तथा इटली में पाजिओ कारों** के स्टेयरिंग बनते हैं।"

शिवांग उद्योग श्रमिक : "671 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 बजे काम आरम्भ होता है और रात 1 बजे तक, अगली सुबह 4 बजे तक रोकते हैं। महीने में 150-200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। सिलाई होती है, ई. एस.आई. व पी. एफ. 400 मजदूरों में 100 के भी नहीं हैं।" **(बाकी पेज चार पर)**

मारुति सुजुकी मानेसर डायरी

●4 जून को ए-शिफ्ट की समाप्ति से पहले ए और बी शिफ्ट के मजदूरों ने चाणचक्क फैक्ट्री पर "कब्जा" कर लिया। असेम्बली लाइन थमी हुई, मशीनें बन्द। सदमे में कम्पनी और सरकार। सी-शिफ्ट मजदूर भी फैक्ट्री में प्रवेश कर गये।

●16 जून तक दो-ढाई हजार मजदूर फैक्ट्री के अन्दर रहे और उत्पादन बन्द रहा। छह जून को बर्खास्त किये 11 की बहाली.....18 जून से फैक्ट्री में काम शुरू।

●"ओय इधर आ, जा ये काम कर" वाला सुपरवाइजरों-मैनेजरों का व्यवहार "बेटा इधर आना, आप यह काम कर लो" वाला व्यवहार बना। आँखें मिलाने की बजाय साहब नीचे देखने लगे।

●अधिक काम है कह कर ठेकेदार के जरिये रखे मजदूर ने 27 जुलाई को अतिरिक्त वरकर माँगा तो सुपरवाइजर ने गाली दी। स्थाई मजदूर संग खड़े हुये और सुपरवाइजर तथा शिफ्ट इन्चार्ज को माफी माँगनी पड़ी।

●28 जुलाई को पुलिस फैक्ट्री में आई और कार्यस्थल से 4 मजदूरों को ले गई। पूरी फैक्ट्री के मजदूर काम बन्द कर एकत्र हो गये। गिरफ्तार नहीं किया है..... कम्पनी ने उन 4 मजदूरों को सब मजदूरों को दिखाया। उत्पादन आरम्भ..... कम्पनी ने बी-शिफ्ट के मजदूरों को लाने वाली बसें रद्द कर दी। आसपास रहने वाले पैदल और दूर वाले साधनों का जुगाड़ कर पहुँचे लेकिन कम्पनी ने बी-शिफ्ट मजदूरों को फैक्ट्री में प्रवेश नहीं करने दिया। ऐसे में शिफ्ट समाप्ति के बाद ए-शिफ्ट मजदूर फैक्ट्री से नहीं निकले...... एक घण्टे बाद मैनेजमेन्ट ने बी-शिफ्ट मजदूरों को फैक्ट्री में प्रवेश करने दिया।

●कम्पनी ने 4 स्थाई मजदूरों को चुपके से निलम्बित कर दिया...... बी-शिफ्ट में दो के बनाये निलम्बन पत्र कम्पनी ने अपने पास ही रखे।

●निलम्बन का पता लगने पर उसे समाप्त करने के लिये मजदूरों ने दबाव डाला। मैनेजमेन्ट ने "स्थिति सामान्य करने" पर निलम्बन वापस लेने की बात की। मजदूरों ने 8 अगस्त को स्थिति सामान्य की..... कम्पनी ने निलम्बन समाप्त नहीं किये और 17 अगस्त को ऐसा करने से इनकार कर दिया। पुनः विचार के लिये मैनेजमेन्ट को 48 घण्टे का टाइम दिया गया। परन्तु जून से ही योजना बना कर कानपुर, रीवा आदि-आदि से नई भर्ती कर रही कम्पनी की तैयारी पूरी हो चुकी थी– साहबों ने फिर "ओय, ये कर" बोलना शुरू कर दिया। काली फीती।

●उत्पादन कम। दो स्थाई मजदूर 23 अगस्त को निलम्बित......24 अगस्त को 2 और निलम्बित। उलझाने के लिये सहमति-समझौते की बातें : 25 अगस्त को उत्पादन बढाया, 26 और 27 अगस्त को उत्पादन में वृद्धि जारी रखी।

●मजदूरों के प्रवेश-द्वार के पास फैक्ट्री के अन्दर खुला स्थान तथा पार्क जहाँ जून और फिर जुलाई में मजदूर एकत्र हुये थे उन जगहों को कम्पनी ने लोहे की चद्दरों से घेर दिया। ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों में से 4, 3, 16 और 10 को 23 से 26 अगस्त के दौरान निकाला।

●रविवार, 28 अगस्त को फैक्ट्री में साप्ताहिक अवकाश। छुट-पुट कार्य के लिये 150-200 मजदूर ओवर टाइम पर जिसे ओवर टाइम के तौर पर कम्पनी दिखाती नहीं। दोपहर बाद स्टाफ के लोग फैक्ट्री में आने लगे। रात 8 बजे चार-पाँच सौ पुलिसवाले टैन्ट आदि के साथ फैक्ट्री के अन्दर पहुँचे। जो काम बचा है उसे छोड़ो कह कर सुपरवाइजरों ने 150-200 को रात 8½ फैक्ट्री से बाहर किया।

●29 अगस्त को ए-शिफ्ट में ड्युटी के लिये पहुँचे मजदूरों ने गेट को किले में बदला पाया। ग्रुप 4 के गार्डों के अलावा 50-60 पुलिसवाले भी गेट के बाहर तैनात थे। फैक्ट्री में टेप बज रहा था: स्थाई मजदूर और ट्रेनी गुड कन्डक्ट बाण्ड पर हस्ताक्षर कर अन्दर जायें, ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर अपने-अपने ठेकेदार से मिलें, अप्रेन्टिसों की तीन दिन छुट्टी..... और चिपके थे नोटिस – बर्खास्त 5 स्थाई मजदूरों के नाम, प्रशिक्षण समाप्त यानी बर्खास्त 6 ट्रेनी के नाम, निलम्बित 10 स्थाई मजदूरों के नाम। सब मजदूर फैक्ट्री के बाहर रहे। बी और सी शिफ्टों में भी यही स्थिति।

●29 अगस्त को साँय आसपास के गाँवों में रहते ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों को धमकाया गया, धक्का-मुक्की की गई और कहा गया कि आगे से मारुति सुजुकी फैक्ट्री गेट पर मत जाना। तीस अगस्त को ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर और ज्यादा सँख्या में फैक्ट्री गेट पर गये। स्थाई मजदूरों ने गाँवों में जा कर लोगों से बातें की।

●30 अगस्त को टेप बजता रहा। नई लिस्ट 12 निकाले ट्रेनी की। सूची 16 और निलम्बित स्थाई मजदूरों की।

●31 अगस्त को गेट के आसपास फैले, समूहों में बैठे मजदूर। चर्चायें। भाषण देने आते नेता। नारे। दिन और रात के लिये 12-12 घण्टे में अदला-बदली करते मजदूर। गीत-रागनी। कनातों की श्रृँखला से कम्पनी ने पर्दा किया।

●1 सितम्बर को सभा। कई संगठनों के नेताओं के भाषण। मारुति सुजुकी गुड़गाँव फैक्ट्री, सुजुकी पावरट्रेन, नेपिनो ऑटो, होण्डा, रीको, ओमैक्स, लुमैक्स, हीरो होण्डा, सोना स्टीयरिंग आदि के मजदूरों के संग जे एन यू, जामिया मिलिया, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के छात्र। पाँच हजार के करीब लोग।

●पर्चे-पत्रिकायें और मिलने आते भाँति-भाँति के लोग। टेप पर नया सुर : अप्रेन्टिस 5 सितम्बर को आयें। ताश मण्डलियाँ। शुक्रवार को गेट के पास शामियाना लगाया। पुलिस ने शनिवार को वहाँ से हटवाया। थोड़ी दूरी पर पुनः लगाया।

●5 सितम्बर को फैक्ट्री से राष्ट्रीय राजमार्ग 8 तक जानदार प्रदर्शन। सुजुकी पावरट्रेन मजदूर क्यों नहीं शामिल हुये ? मारुति सुजुकी मानेसर में 29 अगस्त से उत्पादन बन्द है। कम्पनी उत्पादन के आँकड़ों का प्रचार कर रही है।■

सत्ता अपनी आँख इस तरह तैयार करती है कि हमें तब ही पहचानेगी, हमें स्वीकृति तब ही देगी जब हम खुद को उसके सामने उसके द्वारा चुने जा चुके कुछ लिबासों में पेश करेंगे। पर अगर हम नाचते हुये पहुँचें सत्ता के सामने, तो ? तब वो कैसे चिन्हित करेगी हमें ? फिर बात कैसे करेगी हम से ?

संविधान क्लब

कन्सटीट्युशन क्लब मजदूर : "संसद भवन के निकट चमकते-दमकते कई सभागारों वाले विशाल भवन के अन्दर सफाई का काम हम करते हैं। हमारी दो शिफ्ट हैं – सुबह 8 से साँय 5 की तथा दोपहर 2 से रात 10 बजे की। हमें हाउसकीपिंग वरकर कहते हैं और हमें **एम एस जी परसनल विजन** कम्पनी के जरिये रखा गया है। हमें दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं देतें। हम में नयों की तनखा 4500 रुपये और पुरानों की 5200 है। ओवर टाइम करे बिना गुजारा नहीं, ओवर टाइम का भुगतान मात्र 20 रुपये प्रतिघण्टा अनुसार। हमारी ई.एस.आई. और पी.एफ. नहीं हैं। संविधान का, विधान का खुला उल्लंघन करने वाले कन्सटीट्युशन क्लब में बहुत सुरक्षा प्रबन्ध है।"

*1 अप्रैल 2011 से **दिल्ली सरकार** द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन प्रतिमाह इस प्रकार हैं : अकुशल श्रमिक 6422 रुपये (8 घण्टे के 247 रुपये); अर्ध-कुशल श्रमिक 7098 रुपये (8 घण्टे के 273 रुपये); कुशल श्रमिक 7826 रुपये (8 घण्टे के 301 रुपये)* /स्टाफ में दसवीं से कम *7098 रुपये (8 घण्टे के 273 रुपये)*; दसवी पास पर स्नातक से कम *7826 रुपये (8 घण्टे के 301 रुपये)*; स्नातक एवं अधिक : 8502 रुपये (8 घण्टे के 327 रुपये)। पच्चीस पैसे का पोस्ट कार्ड डालने के लिये एक पता : श्रम आयुक्त दिल्ली सरकार, 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली–110054

ई. एस. आई. कारपोरेशन

ई. एस. आई. अस्पताल ओखला मजदूर : "दिल्ली में ओखला फेज-1 स्थित ई.एस.आई. अस्पताल में मेन्टेनैन्स, हाउसकीपिंग, सुरक्षा कर्मी ठेकेदार के जरिये रखे गये हैं। ऐसे हम कुल 80 लोग हैं और हम में किसी की भी ई.एस.आई. नहीं है। दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी हम में किसी मजदूर को नहीं दिया जा रहा। हाउसकीपिंग में काम करती 30 महिला मजदूरों को 8 घण्टे रोज पर 30 दिन के 3000-3500 रुपये देते हैं। मेन्टेनैन्स वरकरों को प्रतिदिन 8 घण्टे पर 30 दिन के 4000-4500 रुपये। गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। रोज 12 घण्टे पर 30 दिन के पूर्व-फौजी गार्डों को 8500 रुपये और बाकी गार्डों को 4500 रुपये। सरकारी डी जी आर कॉन्ट्रैक्ट में गार्ड को 8 घण्टे रोज ड्यूटी और साप्ताहिक छुट्टी के संग महीने के 13500-14500 रुपये..... कागजों में, दस्तावेजों में सब कुछ कानून अनुसार होता है।"

प्रिन्टिंग प्रेस

रत्ना ऑफसेट मजदूर : "सी-101 डी डी ए शेड ओखला फेज-1 स्थित प्रेस में 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में छपाई होती है। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से। दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं देते – हैल्परों की तनखा 4000 रुपये और ऑपरेटरों की 6000-8000। ई.एस.आई. व पी.एफ. 50 मजदूरों में 10 के मुश्किल से। पीने का पानी खराब। शौचालय गन्दा। साहब गाली देता है।"

कुछ पते

25-50 पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिए

1. श्रम मन्त्री, भारत सरकार,
   श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली –110001
2. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
   14 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली–110066
3. महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कॉमरेड इन्द्रजीत गुप्ता मार्ग, नई दिल्ली-110002

गुड़गाँव में..... (पेज तीन का शेष)

स्मार्ट रेन्जर सेक्युरिटी सर्विस गार्ड : "हमारी 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। साप्ताहिक अवकाश नहीं। रोज 12 घण्टे पर 30 दिन के 6000 रुपये देते हैं। हर महीने तनखा देरी से, जुलाई की 15 अगस्त को दी। हमारी ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। लगातार 36 घण्टे भी ड्युटी हो जाती है तब भी रोटी के लिये पैसे नहीं देते। गाली देते हैं और थोड़ी देरी से पहुँचने पर 200 रुपये काट लेते हैं।"

किरायेदार : "डुण्डाहेड़ा और कापसहेड़ा में कमरे का किराया बहुत ज्यादा हो गया है। बहुत जल्दी-जल्दी किराया बढा देते हैं। बिजली के किरायेदार से 6 से 8 रुपये प्रति युनिट लेते हैं। एक कमरे में तीन से ज्यादा रहे तो 100 रुपये अतिरिक्त दो। किराया देने में देरी पर 100 रुपये जुर्माना। मकान मालिक दुकान खोले हैं जिन पर बाजार से डेढ से दुगुना भाव रखते हैं और कहते हैं कि यहाँ रहना है तो इसी दुकान से सामान खरीदो।"

आई एम टी मानेसर

शारदा पैकेजिंग मजदूर : "प्लॉट 21 सैक्टर-3 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 बजे काम आरम्भ होता है और रात 9½, रात 1½ बजे तक रोकते हैं। रविवार को 8 घण्टे ड्युटी। महीने में 200 घण्टे के करीब ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 4000 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। यहाँ **असाही ग्लास, एटलस साइकिल, सनबीम, टाटा मोटर** आदि के लिये गत्ते के बक्से बनते हैं।"

रोलैक्स होजरी श्रमिक : "प्लॉट 24 सैक्टर-4 स्थित फैक्ट्री में 20 स्थाई मजदूर, 100 कैजुअल वरकर और 10-12 ठेकेदारों के जरिये रखे 400 मजदूर काम करते हैं। धागा कटिंग में 25 बन्दों की तनखा 4000 रुपये और ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। सिलाई कारीगर पीस रेट पर और हैल्परों की तनखा 4503 रुपये। ड्युटी सुबह 9 से रात 8 की, कभी-कभी रात 1 बजे तक रोकते हैं। ओवर टाइम मात्र 15 रुपये प्रतिघण्टा। तनखा देरी से, जुलाई की 12 अगस्त को दी। पानी ठीक नहीं। शौचालय गन्दे। गाली बहुत देते हैं।"

डब्लू एस पी एल कामगार : "प्लॉट 11 सैक्टर-5 स्थित फैक्ट्री में 150 पावर प्रेस हैं। यहाँ सुबह 9 से रात 10 की शिफ्ट में **मारुति सुजुकी** के हिस्से-पुर्जे बनते हैं। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से। अधिक उत्पादन के लिये पावर प्रेसों से सैन्सर हटा दिये हैं जिससे उँगली ज्यादा कटती हैं।"

मैजेस्टिक ऑटो कम्पोनेन्ट्स वरकर : "प्लॉट 209 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में स्थाई मजदूर एक भी नहीं है, दो ठेकेदारों के जरिये रखे 250 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में **जी ई मोटर (मैराथन मोटर)** के हिस्से-पुर्जे बनाते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 4300-4503 रुपये और ऑपरेटरों की 6000-7500 रुपये।"

सुरक्षा कर्मी : "जलवायु विहार, गुड़गाँव में कार्यालय वाली **ग्लोब सेक्युरिटी** गार्डों से 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाती है। साप्ताहिक छुट्टी नहीं, कोई छुट्टी नहीं। रोज 12 घण्टे पर 30 दिन के 5000 रुपये देते हैं – कहते हैं कि यह ई.एस.आई. तथा पी.एफ. राशि काट कर हैं पर ई.एस.आई. कार्ड नहीं देते और छोड़ने पर फण्ड के पैसे गार्ड को नहीं मिलते। तनखा हर महीने देरी से, जुलाई की 15 अगस्त को दी। रात को झपकी लेते देख लिया तो 500 रुपये काट लेते हैं।"

मोडर्न इन्डस्ट्रीज मजदूर : "प्लॉट 106 सैक्टर-3 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 9½ की शिफ्ट है। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 4503 रुपये और यह कर, वह कर, यहाँ कर, वहाँ कर -- ज्यादा तनाव के कारण रुकते नहीं। छोड़ने पर ठेकेदार 10-15 दिन के पैसे नहीं देता। यहाँ **मारुति सुजुकी** की सीट की जाली बनती है।"

ए एस के ऑटोमोटिव श्रमिक : "प्लॉट 28 सैक्टर-4 स्थित फैक्ट्री में जुलाई की तनखा आज 27 अगस्त तक नहीं दी है, कुछ को 12 अगस्त को 2-2 हजार रुपये दिये थे। यहाँ 100 स्थाई मजदूर और दो ठेकेदारों के जरिये रखे 600 वरकर **हीरो होण्डा** के हिस्से-पुर्जे बनाते हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। गड़बड़ी कर महीने में 1000 रुपये तक खा जाते हैं और टोकने पर गाली देते हैं। तनखा से ई.एस.आई. तथा पी.एफ. राशि काटते हैं पर छोड़ने पर फण्ड के पैसे मजदूर को नहीं मिलते। छोड़ने पर 10-15 दिन के पैसे नहीं देते, कहते हैं कि नहीं देंगे।" (बाकी पेज दो पर)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए जे0 के0 आफसैट दिल्ली से मुद्रित किया।

RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73-2011